रेडियो मधुबन के प्लेटफार्म पर आ गयी है बचपन एक्सप्रेस

ब्रह्माकुमारीज द्वारा संचालित सामुदायिक रेडियो प्रसारण केंन्द्र **रेडियो मधुबन ९०.४ ऍफ़.एम्.** द्वारा एक नये कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है | बच्चों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों बाल विवाह जैसी कुरीतियां, बाल श्रम जैसे अपराध और शिक्षा बीच में ही छोड़ देने जैसी संगीन समस्याओं पर आधारित है यह नया कार्यक्रम **"बचपन एक्सप्रेस"** |

बच्चों के अनसुने विचारों को सुने जाने के मंच बने हुए इस कार्यक्रम की रूपरेखा युनाइटेड नेशन की संस्था यूनिसेफ और कम्यूनिटी रेडियो एसोसीएशन (सी.आर.ए) के सहयोग से तैयार की गयी है | जन-जन की आवाज़ रेडियो मधुबन द्वारा यह कार्यक्रम फ़रवरी और मार्च के प्रति सोमवार सुबह 11 :30 बजे एवं शाम 7 बजे प्रसारित किया जायेगा ।

बच्चा हो या बच्ची अगर स्कूल पढ़ने की उम्र में शादी का पाठ पढ़ाया तो मानो जीवन गंवाया, इस सत्यता को रेडियो मधुबन पर विभिन्न गीतों और ड्रामा के माध्यम से भी पेश किया जा रहा है । इसके पहले एपिसोड में दानवाव स्कूल की प्रधानाध्यापिका अलका शर्मा जी ने बताया की "बचपन में विवाह जीवन भर का एक बोझ बनकर रह जाता है और इसको समाप्त करने के लिए आर्थिक रूढ़ियों को हटाया जाना आवश्यक है"। कार्यक्रम में रेडियो मधुबन से बात करते हुए कुछ बालिकाओं ने विवाह के लिए घर पर हो रही ज़बरदस्ती के बारे में खुल कर बात की, तो वहीँ किसी ने कहा की बाल विवाह के कारण होने वाली प्रेगनेंसी में कई बार बच्चियों की मृत्यु देखी जाती रही है। आने वाले एपिसोड्स में बचपन एक्सप्रेस पर बाल विवाह

से जुड़े कानून और शिक्षा से जुड़े अहम पहलुओं पर बातचीत की जाएगी ।